



## प्रीलमिंस फैक्ट्स : 28 जनवरी, 2019

‘ट्रेन 18’ अब ‘वंदे भारत एक्सप्रेस’

हाल ही में [ट्रेन 18](#) का नाम बदलकर ‘वंदे भारत एक्सप्रेस’ करने की घोषणा की गई है।

- सुरक्षा मानकों के साथ-साथ अन्य परीक्षणों को पास कर लेने के बाद देश में नरिमति सेमी-हाईस्पीड ट्रेन 18 यात्रियों की सेवा के लिये अब तैयार है।



//

- ‘वंदे भारत एक्सप्रेस’ या ट्रेन 18 नई दिल्ली और वाराणसी के बीच 755 किलोमीटर की दूरी महज़ आठ घंटे में तय करेगी। नई दिल्ली से चलकर यह ट्रेन कानपुर और प्रयागराज में रुकने के बाद वाराणसी पहुँचेगी।
- यह दिल्ली-वाराणसी मार्ग पर चलने वाली सबसे तेज़ ट्रेन होगी। अभी तक सबसे तेज़ ट्रेन नई दिल्ली से वाराणसी के बीच की दूरी 11 घंटे 30 मिनट में तय करती है।

### भारत पर्व

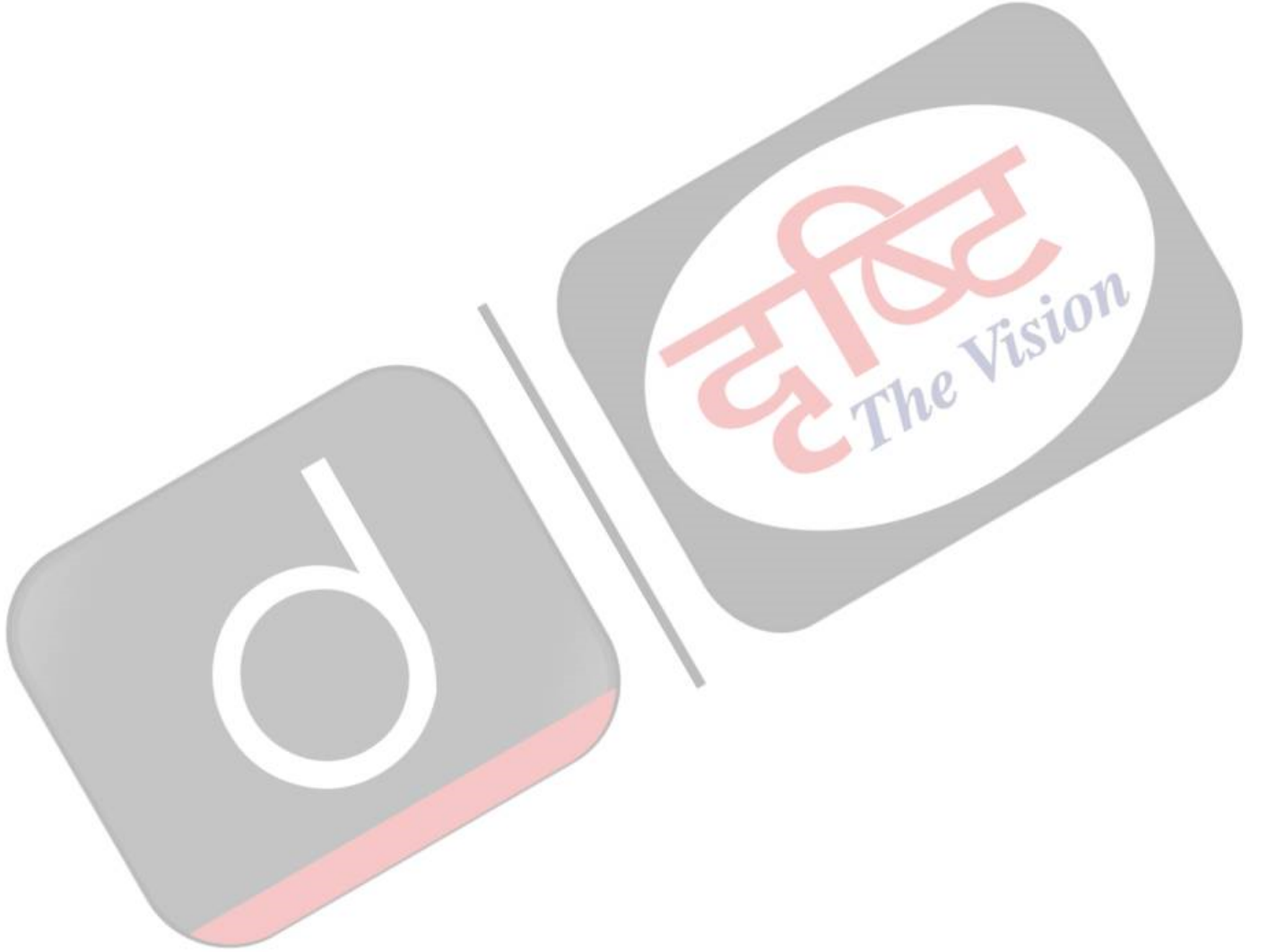
- पर्यटन मंत्रालय कुछ अन्य केंद्रीय मंत्रालयों के सहयोग से 26 से 31 जनवरी, 2019 तक लाल कलि में एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना दर्शाने वाले पाँच दिवसीय ‘भारत पर्व’ का आयोजन कर रहा है। यह आयोजन गणतंत्र दिवस समारोह का ही हिस्सा है।
- कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों में देशभक्तता की भावना जागृत करना, देश के विविधता पूर्ण सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करना और जन-भागीदारी बढ़ाना है।

- एक भारत, श्रेष्ठ भारत के संबंध में प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण के मद्देनजर भारत परव का आयोजन 2016 से गणतंत्र दविस समारोह के हस्से के रूप में कथिा जा रहा है ।
- इसका आयोजन पर्यटन मंत्रालय करता है । इस बार आयोजन के दौरान गणतंत्र दविस की परेड में शामिल झाँकथिों की परदर्शनी, सशस्त्र बलों के बैड का परदर्शन, पाक कला, फूड कोर्ट और डीएवीपी द्वारा फोटो परदर्शनी पेश की जाएगी ।
- भारत परव कार्यक्रम के आयोजन के लथि पर्यटन मंत्रालय नोडल मंत्रालय के रूप में कार्य कर रहा है ।

## हृदल वरुड ऑफ द ईयर, 2018- नारी शकृतल

हाल ही में ऑक्सफ़ोर्ड डकलशनरीज़ ने वरुष 2018 का 'हृदल वरुड ऑफ द ईयर' के रूप में 'नारी शकृतल' को चुना है ।

- ऑक्सफ़ोर्ड डकलशनरीज़ का इस वरुष का हृदल शबुद, एक ऐसा शबुद या अभवथकृतल है, जो बीते हुए वरुष की परकृतल, मजलज़, माहौल और मानसकलता को वथकृत कर सकृता है ।
- वभलनलन कृषेतरों में नारी की बढृती सकृरथलता ही नारी शकृतल है । यह शबुद संसकृत से जनुमा है । नारी का अरुथ है 'महलला' और 'शकृतल' उसकी असीम ऊरुजा को वथकृत करता है ।
- ऑक्सफ़ोर्ड ने 2017 में 'आधार' शबुद चुना था । आक्सफ़ोर्ड ने यह पहल 2017 से शुरु की थी ।



- वर्ष 2018 के दौरान महिलाओं को लेकर कई कानूनों में बदलाव और सुधार किये गए इसके साथ ही #मीटू जैसे आंदोलन भी चर्चा में रहे ।
- देश भर में इस दौरान महिला सशक्तीकरण और महिला अधिकार पर काफी बहस हुई । यही वज़ह है कि इस शब्द पर ज़ोर दिया गया । नारी शक्ति शब्द पर मार्च 2018 में सबसे ज्यादा ज़ोर दिया गया था ।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-28-01-2019>

